दृष्टि The Vision

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

मॉड्यूल - VI

(उद्योग, बस्ती, परिवहन, संचार एवं व्यापार और सांस्कृतिक विन्यास)

DTVF/18(JS)–OPS–G6

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): सुनिल कुमार धनवन्ता

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 06 / 07-Aug-2018

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]: | | | | | | | |

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): [signature]

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

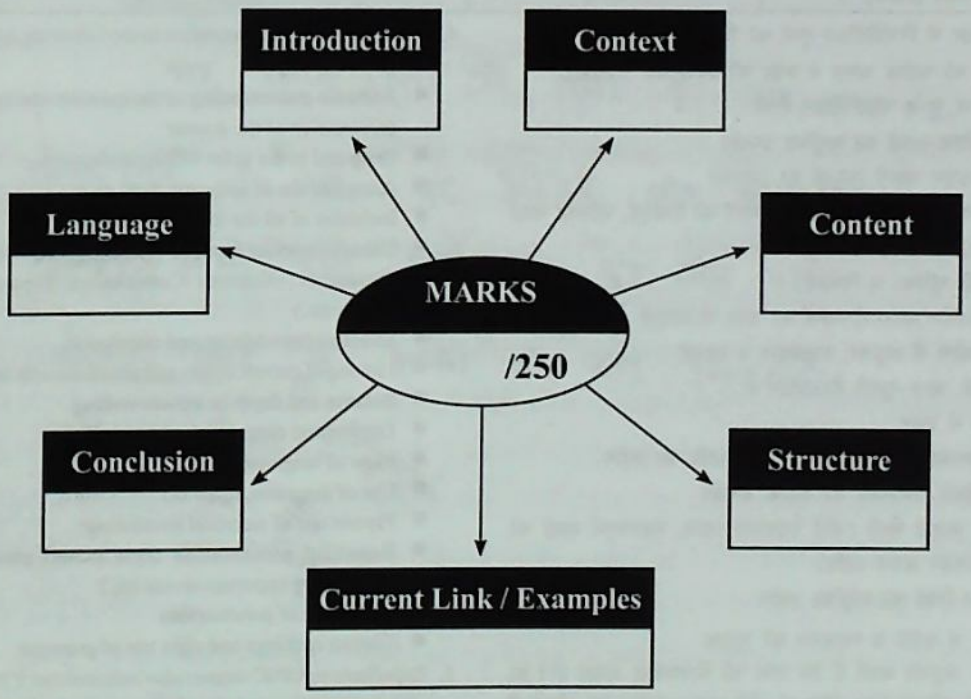

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

A3

Sunil dhanwanta

दृष्टि The Vision

भारत

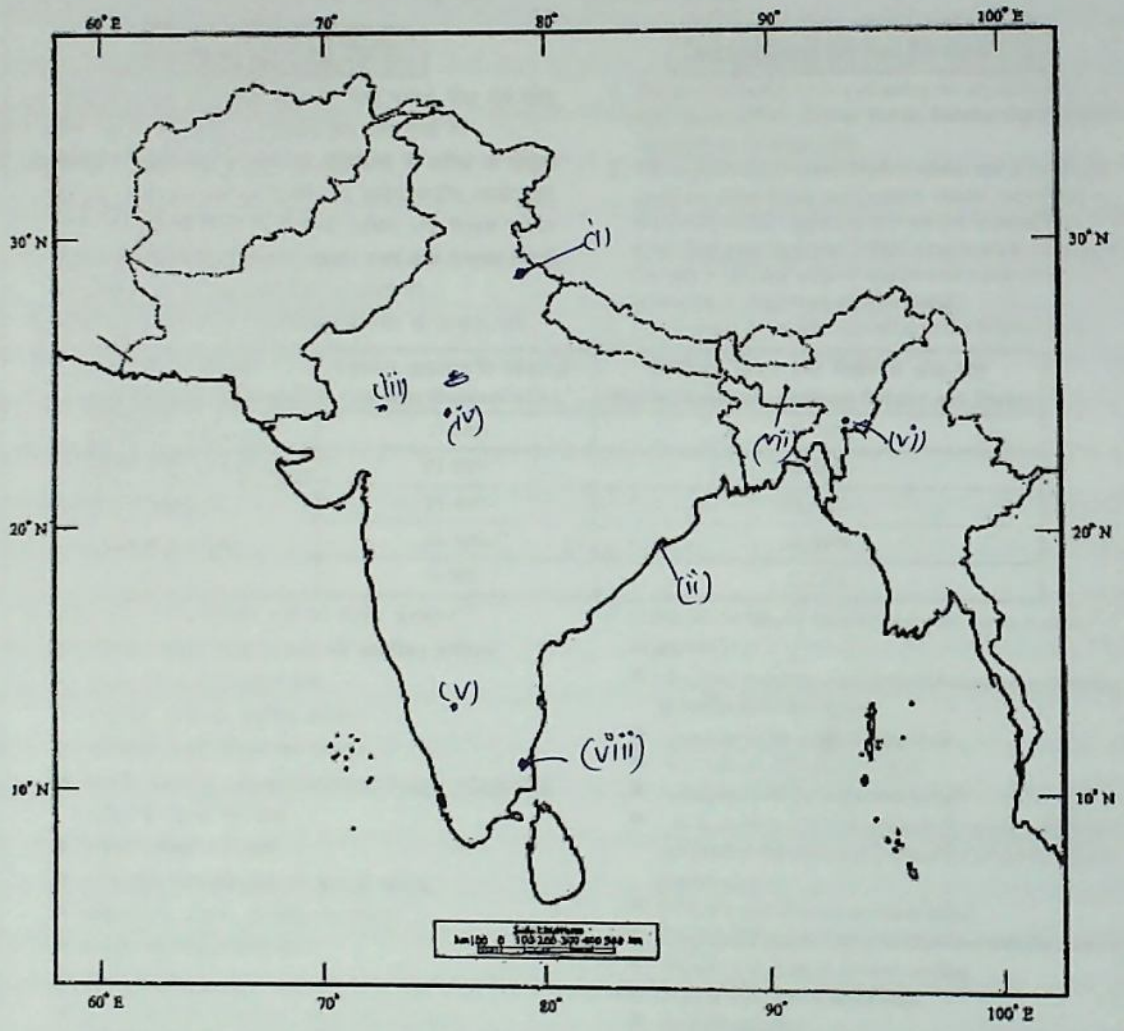

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क/ SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. (a) आपको दिये गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिये। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिये:

On the given outline map of India provided to you, mark the location of all the following. Write in your QCA booklet, the significance of these locations, whether physical/commercial/economic/ecological/environmental/cultural, in not more than 30 words for each entry: $2 \times 10 = 20$

(i) जिम कार्बेट

Jim Corbett

यह उत्तराखण्ड राज्य में स्थित भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान है। यहाँ बाघ रिजर्व भी स्थित है

(ii) चिल्का झील

Chilika Lake

यह उड़ीसा राज्य में स्थित है। यह एक रामसर स्थल है। यहाँ पर प्रतिवर्ष शीत ऋतु में हजारों प्रवासी पक्षी आते हैं। यह झील पहले मॉंट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल थी परन्तु २००२ में इसे हटा दिया गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) माउंट आबू पर्वत

Mount Abu Mountains

यह राजस्थान में स्थित अरावली का एक महत्वपूर्ण भाग है जो सिरोही राज्य में स्थित है। इसकी सबसे ऊंची चोटी गुरुशिखर (1722 m) है। यहाँ पर नक्की झील स्थित है। यह एक पर्यटन स्थल भी है।

(iv) रावतभाटा

Rawatbhata

यह राजस्थान के कोटा जिले में स्थित है। यहाँ एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी स्थित है जो राजस्थान की अधिकांश ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) मेट्टूर बांध

Mettur Dam

यह बाँध कावेरी नदी पर स्थित है। यह बांध मद्रास प्रेसीडेंसी द्वारा बनाया गया था। कावेरी नदी जल विवाद के कारण यह बांध काफी चर्चा में रहा है। यह कर्नाटक राज्य में स्थित है

(vi) केबुल लामजाओ नेशनल पार्क

Keibul Lamjao National Park

यह मणिपुर राज्य में लोकटक झील में स्थित है। यहाँ संगाई हिरण (डांसिंग डियर) पाया जाता है जो एक क्रिटिकली इंडेंजर्ड प्रजाति है। यहाँ तैरते हुए घास के स्थलों को फुमडी कहा जाता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(vii) चेरापूंजी
Cherrapunji

यह स्थान मेघालय राज्य की खासी पहाड़ियों में स्थित है। यहां विश्व की सर्वाधिक वार्षिक वर्षा (लगभग 1150 cm) होती है। यह एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भी है

(viii) एन्नौर पत्तन
Ennore Port

यह चेन्नई के पास स्थित है तथा भारत के 13 प्रमुख पत्तनों में से एक है। हाल ही में यहां 2 तेल टैंकरों के टकराने से तेल रिसाव की समस्या हो गई थी जिसके भारी जल प्रदूषण समस्या का सामना करना पड़ा

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में पटसन उद्योग के स्थानीयकरण के कारणों का संक्षेप में वर्णन कीजिये। 10

Briefly discuss the reasons behind localization of jute industry in India. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पटसन उद्योग मुख्य रूप से एक कृषि आधारित उद्योग है।

स्थानीयकरण के कारक-

(i) कच्चा माल- जूट एक भार ह्रासमान कच्चामाल होता है अतः उद्योग की स्थापना ~~कच्चे~~ जूट उत्पादक क्षेत्रों में की जाती है

(ii) जूट की धुलाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल की उपलब्धता होनी चाहिए

(iii) पर्याप्त मात्रा में सस्ते श्रम की उपलब्धता

(iv) उष्ण एवं आर्द्र जलवायु

(v) बाजार की उपलब्धता (माँग)

(vi) परिवहन के साधनों का विकास

इन्हीं कारकों के फलस्वरूप

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में सूत उद्योग मुख्यतः हुगली नदी के दोनों ओर 3 किमी. चौड़ी व 100 कि.मी. लंबी पट्टी में मुख्य रूप से पाया जाता है जो उत्तर में बंसबेरिया से दक्षिण में बिरलापुर तक है

इसके अलावा बिहार, असम, उड़ीसा में भी पटसन उद्योग कुछ मात्रा में पाया जाता है।

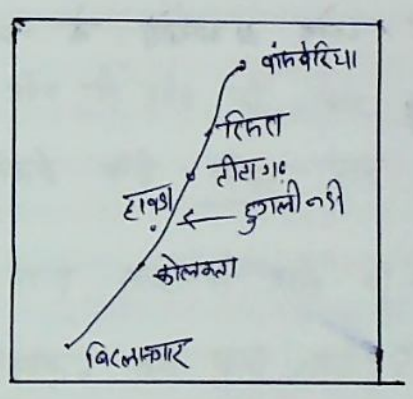

चित्र

चित्र- ~~कोलकाता~~ पश्चिम बंगाल में पटसन उद्योग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) प्रवासन से आप क्या समझते हैं? भारत में जनसंख्या के प्रवासन के स्वरूप पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये। 10

What do you understand by migration? Briefly comment on the nature of migration of population in India. 10

व्यक्तियों का स्थायी या अस्थायी रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर गमन प्रवास कहलाता है। यह अल्पकालिक या दीर्घकालिक हो सकता है।

प्रवसन के अनेक आधारों के अनुसार अनेक प्रकार होते हैं

स्थान के आधार पर-

(i) अन्तर्राज्यीय
(ii) अन्त:राज्यीय
(iii) अंर्तराष्ट्रीय

समय के आधार पर

(i) दीर्घकालिक
(ii) अल्पकालिक

दिशा के आधार पर —
- गाँव से गाँव
- गाँव से नगर
- नगर से नगर
- नगर से गाँव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में भारी संख्या में लोग अन्तर्द्वीप प्रवास करते हैं जिसमें लोग USA, कनाडा, मध्यपूर्व की ओर जाते हैं।

भारत में गाँवों से नगरों की ओर प्रवास की प्रवृत्ति भी दिखाई देती है जिसके पीछे अनेक कारक जिम्मेदार हैं इसमें पुरुष ज्यादा मात्रा में प्रवास करते हैं।

गाँव से गाँव की ओर प्रवास भी अत्यधिक होता है जिसके पीछे विवाह एक प्रमुख कारक है।

परन्तु नगर से गाँव की ओर प्रवास की प्रवृत्ति अपेक्षाकृत कम पायी जाती है।

अतः कहा जा सकता है कि भारत में प्रवास का स्वरूप बहुआयामी है जो यहाँ की सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक दशाओं का निर्धारण करता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) भारतीय नगरों के प्रकार्यात्मक वर्गीकरण पर संक्षिप्त चर्चा कीजिये। 10

Briefly discuss the functional classification of Indian cities. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

नगरों का उनके द्वारा संपादित कार्यों तथा उनकी विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण कहलाता है।

हमेल्स, अशोक मित्रा, काज़ी एस. अहमद इत्यादि विद्वानों ने अनेक आधार पर भारत के नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण करने का प्रयास किया था।

भारत के ~~शहरों~~ नगरों का सामान्य प्रकार्यात्मक वर्गीकरण निम्नानुसार है

(i) औद्योगिक नगर - जमशेदपुर, कानपुर, बोकारो इत्यादि
(ii) प्रशासनिक नगर - जयपुर, दिल्ली, चण्डीगढ़ तथा सभी राज्यों की राजधानियाँ
(iii) पत्तन नगर - चेन्नई, कांडला, मुंबई, पारादीप इत्यादि
(iv) व्यापारिक नगर - सूरत, मुंबई इत्यादि
(v) धार्मिक नगर - मदुरै, वाराणसी इत्यादि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vi) सैनिक नगर - रुड़की, कोटा इत्यादि

(vii) छावनी नगर - कानपुर, नसीराबाद इत्यादि

(viii) परिवहन नगर - मुगलसराय इत्यादि

हालांकि वर्तमान युग में एक नगर द्वारा अनेक कार्यों का संपादन किया जाता है अतः उनका कार्यात्मक वर्गीकरण करना अत्यंत कठिन कार्य होता है परन्तु उनके द्वारा संपादित मुख्य कार्यों के आधार पर ही उनका वर्गीकरण करने का प्रयास किया जाता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) भारत के औद्योगिक विकास में औद्योगिक नीतियों का महत्त्वपूर्ण योगदान है, परंतु इस क्षेत्र में व्यापक सुधार की संभावनाएँ अभी भी मौजूद हैं। तर्क सहित विश्लेषण कीजिये। 15

Industrial policies have a significant contribution in the industrial development of India, but they still have ample scope of reform. Critically analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में स्वतंत्रता के पश्चात औद्योगिक विकास हेतु अनेक औद्योगिक नीतियों का निर्माण व क्रियान्वयन किया गया जिन्होंने देश के औद्योगिक विकास में निर्णायक भूमिका निभाई है।

1948 की औद्योगिक नीति में मिश्रित अर्थव्यवस्था के सिद्धान्त को अपनाकर सार्वजनिक क्षेत्र को विकसित करने का प्रयास किया गया।

1956 की औद्योगिक नीति में समाजवादी व्यवस्था की स्थापना करने का प्रयास किया गया जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों पर प्रमुख बल दिया गया।

1991 की औद्योगिक नीति के माध्यम से उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण के सिद्धान्तों का अनुसरण करते हुए निजी क्षेत्र तथा सार्वजनिक क्षेत्र दोनों को विकसित करने की नीति पर बल दिया गया।

इन्हीं औद्योगिक नीतियों के परिणामस्वरूप

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत की GDP तथा प्रति व्यक्ति आय में कई गुना की वृद्धि हुई है। भारत आज विश्व के अग्रणी औद्योगिक देशों में माना जाता है।

भारत आज अपने उद्योगों के विकास के बल पर निर्यात तथा घरेलू मांग की पूर्ति करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा।

सूती वस्त्र उद्योग, लौह इस्पात उद्योग, दवा निर्माण उद्योग, पत्तन उद्योग, सूचना-प्रौद्योगिकी इत्यादि में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है।

परन्तु अभी भी भारत अपनी अपेक्षित क्षमता का दोहन करने में सफल नहीं हो पाया है।

भारत का वैश्विक निर्यात में हिस्सा लगभग २.५% है जो इसके आकार के अनुसार अत्यन्त कम है अतः विनिर्माण उद्योग तथा अन्य उद्योगों का और विकास करके इस हिस्सेदारी को बढ़ाया जा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सकता है।

भारत चीन से अनेक वस्तुओं का ~~निर्यात~~ आयात करके ~~[illegible]~~ व्यापार घाटे का सामना करता है।

भारत में पर्याप्त मात्रा में जनांकिकीय लाभांश की स्थिति मौजूद है जिसका उचित दोहन अत्यावश्यक है।

हालांकि औद्योगिक नीतियों ने भारत को एक अग्रणी औद्योगिक देश बनाने में तो अपनी भूमिका निभाई है परन्तु भारत में कच्चे माल, सस्ते श्रम इत्यादि का व्यापक लाभ उठाने की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। मेक इन इण्डिया, स्टार्टअप इण्डिया तथा स्किल इण्डिया जैसे कार्यक्रम इस दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वर्तमान में चीनी उद्योग में उत्तर भारत से दक्षिण भारत की ओर स्थानांतरण की प्रवृत्ति देखी जा रही है। स्पष्ट कीजिये। साथ ही, इस उद्योग से जुड़ी समस्याओं पर भी प्रकाश डालिये। 20

The sugar industry is demonstrating a shift from north India to South India. Explain the statement and highlight the problems related to this industry. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1970-80 के दशक से पहले देश की लगभग 70% चीनी का उत्पादन उत्तर भारत द्वारा किया जाता था परन्तु वर्तमान में दक्षिण भारत का चीनी उत्पादन में योगदान बढ़ता जा रहा है।

इसके पीछे अनेक भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक कारक जिम्मेदार है। दक्षिण भारत की उष्णकटिबन्धीय स्थिति के कारण यहाँ के गन्ने में रस की मात्रा अपेक्षाकृत ज्यादा पाई जाती है जिसके प्रति क्विंटल गन्ने से चीनी ज्यादा प्राप्त होती है।

दक्षिण भारत में उत्तर भारत की अपेक्षा गन्ना पेराई के दिनों की संख्या ज्यादा है। इसी के साथ दक्षिण भारत की मिलें अपेक्षाकृत नवीन हैं जिसमें यहाँ आधुनिक तकनीक की मशीनों की स्थापना की गई है जो अधिक दक्षता के साथ चीनी का उत्पादन करती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दक्षिण भारत में मिलें सहकारी समितियों द्वारा स्थापित की गई हैं जिसके पर्याप्त मात्रा में पूँजी की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाती है।

इसी के साथ परिवहन की व्यवस्था, गन्ना उत्पादन हेतु काली मिट्टी की उपलब्धता, लोगों की मानसिकता भी इस प्रवृत्ति के पीछे जिम्मेदार है इसी कारण से महाराष्ट्र, तमिलनाडु इत्यादि राज्य चीनी उत्पादन के अग्रणी राज्य बन चुके हैं।

चीनी उद्योग वर्तमान में अनेक समस्याओं का सामना कर रहा है। चीनी उद्योग को सही समय पर पर्याप्त मात्रा में कच्चे माल की आपूर्ति नहीं हो पाती है क्योंकि गन्ना किसानों का मिलों के साथ सीधा संबन्ध नहीं है।

परिवहन की उचित समस्या के अभाव में गन्ने को सही समय पर मिल पर ना पहुँचाने के कारण रस की हानि होती है जिससे चीनी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कम उत्पादित होती है। चीनी उत्पादन की अधिकतर मशीनरी पुरानी तकनीक की है। चीनी उद्योग के अवशिष्ट उत्पादों का सही उपयोग नहीं हो पाता है।

चीनी मिलें वर्ष के कुछ महीने कार्यरत रहती हैं बाकी समय बंद रहने के कारण इनकी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता।

इसी के साथ कुशल श्रम का अभाव, पूंजी की अपर्याप्त उपलब्धता, सरकार की चीनी संबंधी बाजार नीति भी अनेक समस्याओं को जन्म देते हैं।

अतः चीनी उद्योग के विकास हेतु इन समस्याओं का तत्काल निवारण आवश्यक है। गन्ने के उचित खरीद मूल्य (FRP) की घोषणा, चीनी की बाजार नीति में सुधार, चीनी मिलों की तकनीक में सुधार इत्यादि उपायों की आवश्यकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) भारत एक कृषि प्रधान देश है किंतु यहाँ कृषिगत उद्योगों का विकास सीमित रूप में हुआ है। इसके लिये उत्तरदायी कारणों एवं विद्यमान संभावनाओं की विवेचना कीजिये। 15

India is an agricultural country but the agro-based industries have experienced limited development. Discuss the factors responsible for it and the growth prospects. 15

भारत की लगभग 60% जनसंख्या प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से कृषि कार्यों में संलग्न है। भारत में कृषि गत उद्योगों में सूती वस्त्र उद्योग, पटसन उद्योग, चीनी उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग इत्यादि उद्योग शामिल है।

परन्तु अनेक भौगोलिक, राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारणों के फलस्वरूप कृषिगत उद्योगों का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है इसके पीछे निम्नलिखित कारक उत्तरदायी है।

कृषिगत उद्योगों को उचित समय पर पर्याप्त मात्रा में कच्चा माल उपलब्ध नहीं हो पाता है इसके पीछे कृषि फसलों का सूखे, बाढ़, पानी की कमी या अनेक अन्य कारणों से नष्ट होना जिम्मेदार है।

कृषि उत्पादों को इन उद्योगों तक पहुँचाने के लिए परिवहन की उचित व्यवस्था नहीं है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

परिवहन की पर्याप्त व्यवस्था के अभाव, कोल्ड चेन के अभाव इत्यादि के कारण भारत में कृषि उत्पादों का लगभग 20-30% नष्ट हो जाता है।

इसी के साथ कृषिगत उद्योगों हेतु पर्याप्त मात्रा में कुशल श्रमिकों की आपूर्ति का अभाव है इन उद्योगों में ~~उपयोग~~ प्रयोग की जा रही प्रौद्योगिकी पुरानी है जिसके प्रति इकाई कम उत्पादन होता है।

कृषिगत उद्योगों के उत्पादों को निर्यात करने की पर्याप्त सुविधा का अभाव है तथा इन्हें अनेक देशों के उत्पादों से साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है।

इसके अलावा पूंजी की उपलब्धता, सरकार की कृषि नीति, आपूर्ति श्रृंखला का विकास, फारवर्ड लिंकेज एवं बैकवर्ड लिंकेज इत्यादि संबन्धी समस्याएं भी इस सीमित विकास हेतु उत्तरदायी है।

परन्तु इन उद्योगों के विकास हेतु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

निम्न संभावनाएँ मौजूद है,

(क) भारत में कृषि उत्पादन की विशाल मात्रा जिसके कच्चे माल की आपूर्ति सरल

(ख) भारत में मौजूद जनांकिकीय लाभांश

(ग) भारत में उपस्थित पर्यटनगत ज्ञान और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र, सूती वस्त्र उद्योग में कुटीर उद्योगों का योगदान

अतः इन संभावनों के दोहन हेतु उपयुक्त नीति का सुदृढ़ विकास किया जाना चाहिए। कृषिगत उद्योगों के निर्माण को प्रोत्साहन, पूँजी की पर्याप्त उपलब्धता, सस्ते व कुशल श्रम की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) भारत में सूती वस्त्र उद्योग के वितरण का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए मुंबई के समीपस्थ क्षेत्रों में सूती वस्त्र उद्योगों के संकेंद्रण हेतु उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये। 15

Write a note on the distribution of cotton textile industries in India and highlight the factors responsible for their concentration in the regions around Mumbai. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में सूती वस्त्र उद्योग विनिर्माण उत्पादन एवं रोजगार सृजन की दृष्टि से एक प्रमुख उद्योग है। इसके वितरण के पीछे अनेक कारक उत्तरदायी हैं।

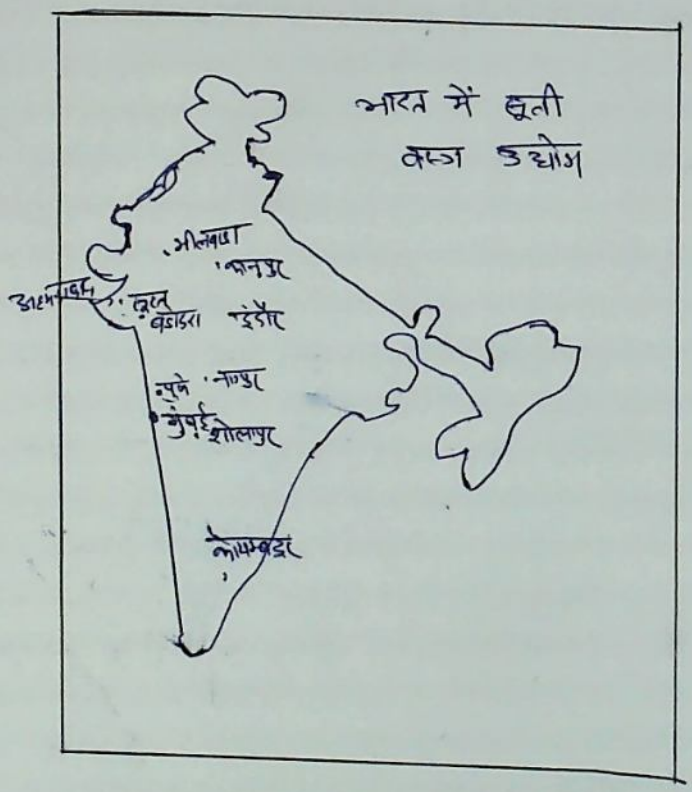

भारत में सूती वस्त्र उद्योग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मुख्य रूप में महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश तथा कर्नाटक राज्यों में फैला है मुंबई, शोलापुर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, पुणे, कोल्हापुर, नागपुर, इन्दौर, कोयम्बटूर, बंगलौर, इत्यादि इसके प्रमुख केन्द्र है।

मुंबई के समीपस्थ क्षेत्रों में यह उद्योग विशेष रूप से संकेन्द्रित पाया जाता है जिसके पीछे निम्नलिखित कारक जिम्मेदार है-

(क) कच्चा माल - यह क्षेत्र काली मिट्टी के पाये जाने के कारण कपास को बड़ी मात्रा में खेती की जाती है जिससे उद्योगों को कच्चा माल आसानी से मिल जाता है

(ख) मुंबई एवं अहमदाबाद इत्यादि स्थानों पर पर्याप्त बैंकिंग व्यवस्था के कारण पूंजी की उपलब्धता

(ग) बाजार की उपलब्धता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(घ) सस्ते एवं कुशल श्रमिकों की आपूर्ति के क्षेत्रों से आपूर्ति

(च) पूर्वारंभ का लाभ क्योंकि स्वतंत्रता के पूर्व सर्वप्रथम यहीं उद्योग स्थापित हुए थे

(छ) आई एवं कृष्ण जलवायु की उपलब्धता ताकि धागा टूटे नहीं

(ज) पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा उपलब्धता (जल विद्युत व ताप विद्युत)

इस प्रकार इस उद्योग में संकेन्द्रण की प्रवृत्ति देखी जाती है परन्तु वर्तमान समय में जल विद्युत के विकास, परिवहन के साधनों के विकास इत्यादि के कारण इस उद्योग में विकेन्द्रीकरण की प्रवृत्ति देखी जा रही है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में लौह-इस्पात उद्योग की अवस्थिति को निर्धारित करने वाले कारकों की संक्षिप्त चर्चा करते हुए इस क्षेत्र के समक्ष विद्यमान चुनौतियों को स्पष्ट कीजिये। चुनौतियों के निराकरण में राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 की प्रासंगिकता की भी चर्चा कीजिये। 20

Briefly discuss the factors that determine the location of iron-steel industry in India and explain the challenges faced by this sector. Discuss the relevance of the National Steel Policy, 2017 to address the challenges. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लौह इस्पात उद्योग एक प्रमुख आधारभूत उद्योग है तथा इसको अर्थव्यवस्था की रीढ़ की संज्ञा दी जाती है।

इसकी अवास्थिति को निर्धारित करने वाले कारक निम्नलिखित है.

लौह अयस्क व कोयला दोनों ही भार ह्रासमान कच्चे माल है जिसके लौह इस्पात उद्योग की स्थापना कच्चे माल के स्रोत के पास होती है जैसे TISCO, हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड इत्यादि।

[redacted], पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा उपलब्धता, परिवहन के साधनों का विकास, सस्ते व कुशल श्रम की आपूर्ति, पूँजी की उपलब्धता, बाजार की उपलब्धता, सरकारी नीतियाँ इत्यादि भी इसकी अवास्थिति को निर्धारित करने में निर्णायक भूमिका निभाते है

भारत में यह उद्योग मुख्य रूप

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से छोटा नागपुर के पठार के आसपास संकेन्द्रित है।

लौह इस्पात उद्योग वर्तमान में निम्नलीखित समस्याओं का सामना कर रहा है

(क) उद्योगों को पर्याप्त मात्रा में कुच्चे माल जैसे कोयला, लौह अयस्क, मैंगनीज इत्यादि की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

(ख) पुरानी एवं अकुशल मशीनरी

(ग) कुशल एवं सस्ते श्रमिकों की कमी

(घ) कारखानों द्वारा अपनी क्षमता का पूर्ण इस्तेमाल नहीं

(च) विदेशी प्रतिष्ठानियों से प्रतिस्पर्धा

(छ) प्लास्टिक एवं अन्य सिंथेटिक उत्पादों से प्रतिस्पर्धा

इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तथा भारत को विश्व का अग्रणी लौह इस्पात उत्पादक बनाने हेतु भारत सरकार द्वारा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नौह इस्पात नीति 2017 की घोषणा की गई है।

प्रमुख प्रावधान -

(क) इस्पात के निर्यात को बढ़ावा देना

(ख) कुशल श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कौशल विकास को बढ़ावा देना

(ग) रुग्ण औद्योगिक इकाइयों का पुनरुद्धार करना

(घ) उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास हेतु शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना

इस प्रकार इस नीति द्वारा अनेक चुनौतियों के निराकरण का प्रयास किया गया है ~~परन्तु~~ जिससे भारत विश्व के तीसरे सबसे बड़े लौह उत्पादक देश से प्रथम स्थान पर पहुँचने में सफल हो सकेगा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) एमएसएमई सेक्टर उद्यमशीलता एवं नवाचार को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय भूमिका निभा सकता है। भारत में इस क्षेत्र में व्याप्त संभावनाओं के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। 15

The MSME sector can play a significant role in promoting entrepreneurship and innovation. Analyze in the context of this sector's potential in India. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में MSME क्षेत्र GDP में योगदान तथा रोजगार सृजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह भारत के लगभग 80% रोजगारों का सृजन करता है।

MSME क्षेत्र के योगदान को निम्न बिन्दुओं के माध्यम से समझा जा सकता है.

(क) यह लोगों को रोजगार प्राप्ति में सहयोग करता है

(ख) इसमें नवाचार की व्यापक संभावनाएँ होती है क्योंकि ये उद्योग सीमित आकार के होते है

(ग) भारत में उपलब्ध जनोकिकीय लाभांश का प्रयोग करने की इस क्षेत्र में व्यापक संभावना है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(घ) भारत की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है तथा गाँवों में आसानी से इन उद्योगों की स्थापना की जा सकती है

(च) कृषि उत्पादों का खाद्य प्रसंस्करण इत्यादि के माध्यम से बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है

(छ) इनके लिए पूँजी की कम आवश्यकता होती है जिसे आसानी से प्राप्त किया जा सकता है

MSME के समक्ष चुनौतियाँ

(i) बड़े उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्द्धा क्योंकि ये छोटे स्तर (Small scale) पर उत्पादन करते हैं

(ii) इनके उत्पादों को विदेशी उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्द्धा करना पड़ता है

(iii) इनके उत्पादों को पर्याप्त सरकारी संरक्षण नहीं है

(iv) इनके श्रमिकों हेतु सामाजिक सुरक्षा का अभाव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः इस क्षेत्र के विकास एवं भारत के आर्थिक एवं सामाजिक विकास हेतु इसकी चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है। कौशल भारत, स्टार्ट अप इण्डिया, मेक इन इण्डिया कार्यक्रम, नई msme नीति, msme अधिनियम में संशोधन, मुद्रा योजना इत्यादि सराहनीय प्रयास हैं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: $10 \times 5 = 50$
Answer the following in about 150 words each:

(a) हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में निर्मित ग्रामीण अधिवासीय संरचना का विवरण दीजिये।
Describe the rural settlement built in the Himalayan mountainous region.

ग्रामीण अधिवासीय संरचना क्षेत्र की के भौगोलिक स्वरूप, जलवायु, संस्कृति इत्यादि पर निर्भर करती है।

हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में ऊबड़-खाबड़ व पहाड़ी भू-भाग होने के कारण परिक्षिप्त प्रकार की बस्तियाँ पायी जाती है।

हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में लंबवत ऊंचाई के अनुसार अनेक प्रकार की बस्तियाँ पाई जाती है।

घाटी क्षेत्रों में समतल भूभाग, जल की उपलब्धता, जनसंख्या की अधिकता के कारण सघन बस्तियाँ पाई जाती हैं जिसमें मकानों का निर्माण पास-पास किया जाता है जैसे- कश्मीर घाटी

ऊंचाई बढ़ने के साथ साथ इस

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

क्षेत्र में आवासों की सघनता घटती जाती है।

अधिक ऊँचाई पर दूर-दूर स्थित परिक्षिप्त बस्तियां पाई जाती है तथा अनेक बार ये कुछ छोटे-छोटे समूहों में भी पाई जा सकती है।

ऋतुप्रवास करने वाले लोग यहाँ पर अस्थाई बस्तियों का निर्माण भी करते हैं।

इस प्रकार अनेक कारकों के फलस्वरूप यहाँ आवासों का स्वरूप सघन से लेकर परिक्षिप्त (dispersed) तक पाया जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में अंतर्देशीय जलमार्ग के विकास की संभावनाओं और विद्यमान चुनौतियों पर संक्षिप्त चर्चा कीजिये।

Discuss the possibility of development of inland waterways in India and their challenges.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में ~~वैदिक समय~~ प्राचीन काल से ही अन्तर्देशीय जल परिवहन का प्रचलन था परन्तु सड़क परिवहन के विकास, रेल परिवहन के विकास इत्यादि के कारण यह क्षेत्र नकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ है।

भारत में अंतर्देशीय जलमार्ग विकास की संभावनाएं

(i) ~~छो~~ भारत में गंगा, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी, कावेरी इत्यादि लंबी एवं विशाल जल वाली नदियां उपस्थित है

(ii) भारत में परिवहन के अन्य साधनों पर काफी दबाव है

(iii) यह अपेक्षाकृत सस्ता साधन एवं प्रदूषण मुक्त होता है

(iv) भारत में इस संबन्ध में परंपरागत अनुभव का होना

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) अनेक नदियों की गहराई भी जलमार्गों के विकास हेतु पर्याप्त होना

विद्यमान चुनौतियाँ

(i) जलमार्गों के विकास हेतु पर्याप्त पूँजी का अभाव क्योंकि प्रारंभिक तौर पर इसमें विशाल मात्रा में निवेश की आवश्यकता होती है

(ii) नदियों में अवसादों की भारी मात्रा के पाये जाने के कारण नदी की प्रभावी गहराई में कमी

(iii) बाढ़ के समय समस्या

(iv) प्रायद्वीपीय भारत में जमीन के ऊबड़ खाबड़ होने के कारण इसके विकास में अवरोध

(v) आधारभूत संरचना जैसे नदी बंदरगाहों, पत्तनों का अभाव

उपर्युक्त चुनौतियों के समाधान हेतु सरकार ने ~~सड़क सुरक्षा सरकार को समय~~ समय-समय पर अनेक प्रयास किए हैं जैसे अंतर्देशीय जलमार्ग (संशोधन) अधिनियम, 2016, सड़क सुरक्षा कोष अधिनियम में संशोधन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) भारत के महानगरों में सबसे बड़ी चुनौती बढ़ती भीड़ व घटती गतिशीलता है। ऐसे में सार्वजनिक परिवहन की भूमिका कहाँ तक युक्तिसंगत है?

The biggest challenge of metro cities of India is increasing congregation and decreasing mobility. In this context, to what extent is the public transport justified?

भारत की लगभग 32% जनसंख्या शहरों में निवास करती है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों की संख्या 53 है जो निरन्तर वृद्धि की ओर अग्रसर है।

प्रवास के कारण महानगरों के विशाल जनसंख्या के एकत्रित होने के कारण परिवहन के साधनों पर दबाव बढ़ा है तथा सड़कों पर जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

इस समस्या से निपटने हेतु विशेषज्ञों द्वारा सार्वजनिक परिवहन के विकास पर बल दिया जा रहा है। इससे निम्न लाभ होंगे -

(क) प्रदूषण में कमी आयेगी

(ख) सड़कों पर जाम की समस्या में कमी आने की संभावना है

(ग) सरकार की आय में वृद्धि होगी

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आने की संभावना है

परन्तु इसकी कुछ समस्याएँ भी हैं-

(i) मांग के अनुसार सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का अभाव

(ii) सार्वजनिक परिवहन के साधनों में पर्याप्त सुविधाओं का न होना

(iii) सरकार की इस संबन्ध में स्पष्ट नीति का न होना

परन्तु फिर भी मेट्रो रेल, सार्वजनिक बसों इत्यादि को मांग के अनुसार विकसित करके इस समस्या से काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। भारत सरकार की वर्तमान <u>मेट्रो रेल नीति</u> इस संबंध में सराहनीय कदम है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) ग्रामीण भारत में विकसित होने वाले अधिवासों के प्रारूप को निर्धारित करने में भौगोलिक कारकों की भूमिका पर प्रकाश डालिये।

Elucidate the role of geographical factors in determining the occupational patterns in rural India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

~~उत्तर~~

अधिवासों की ज्यामितीय संरचना को सामान्यतः अधिवास के प्रारूप की ~~विस्तार~~ संज्ञा दी जाती है यह रेखीय, गोल, चौकोर, ताराकार, चेकर बोर्ड, अनीय इत्यादि हो सकता है

भौगोलिक कारकों की भूमिका

(i) आयताकार - समतल भूमियों पर आयतकार व सघन अधिवासों का निर्माण होता है

(ii) रेखीय प्रारूप - किसी नदी या घाटी में ऐसा प्रारूप देखने को मिलता है

(iii) वृत्ताकार प्रारूप - किसी तालाब, झील इत्यादि के किनारे इस प्रतिरूप का विकास होता है

(iv) त्रिभुजाकार प्रतिरूप - किन्ही दो नदियों के मिलन स्थान पर ऐसे प्रतिरूप का विकास संभव है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

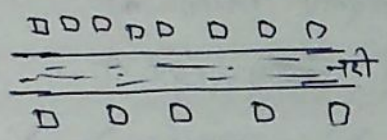

रेखीय प्रतिरूप

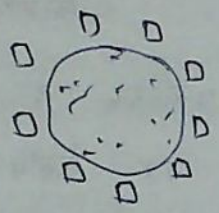

वृत्ताकार प्रतिरूप

त्रिभुजाकार

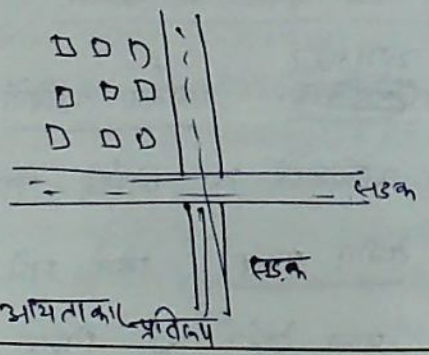

आयताकार प्रतिरूप

इसी के साथ अरीय प्रतिरूप, नाभिका (Nebula) प्रतिरूप इत्यादि का भी विकास होता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) भारतीय जनसंख्या के लिंग एवं आयु संरचना पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।
Briefly comment on sex and age composition of Indian population.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार लिंगानुपात 943 है अर्थात् भारत में 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ पाई जाती हैं जो 2001 में 933 थी।

भारत में राज्यों में भी लिंगानुपात की अलग-अलग प्रवृत्तियां पाई जाती है। केरल में जहाँ 1028 लिंगानुपात पाया जाता है तो वही हरियाणा में यह लगभग 870 पाया जाता है। यह अन्तर भारत के राज्यों में कम तथा दक्षिण भारत के राज्यों में कम पाया जाता है।

भारत में लिंगानुपात की इस प्रवृत्ति के पीछे पितृसत्तात्मक समाज, शिक्षा की पहुंच का अभाव, आर्थिक कारण एवं राजनैतिक कारण प्रमुख रूप से उत्तर दायी है।

आयु संरचना -

(1) युवा वर्ग - 0-14 वर्ष

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) प्रौढ़ वर्ग - 15-69 वर्ष की आयु

(iii) वृद्ध वर्ग - 70 वर्ष की आयु

भारत में वर्तमान में प्रौढ़ वर्ग की जनसंख्या सर्वाधिक पाई जाती है जो लगभग 63% है। भारत की औसत आयु 29 वर्ष है

अर्थात् भारत वर्तमान समय में जनांकिकीय लाभांश की स्थिति में है जिसका पर्याप्त फायदा लेना अति आवश्यक है इसके लिए स्किल इण्डिया, स्टार्ट अप इण्डिया, RTE एक्ट इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम व नीतियाँ हैं।

आयु पिरामिड

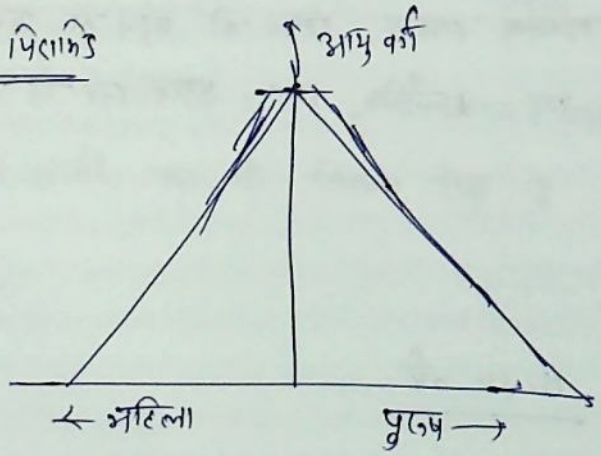

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) "रेल परिवहन भारतीय परिवहन व्यवस्था का आधार स्तम्भ है किंतु इसके समक्ष विद्यमान चुनौतियाँ इसकी प्रभाविता को सीमित करती हैं।" कथन का मूल्यांकन कीजिये। 15

"Rail transport is the pillar of Indian transportation system but the challenges faced by it limit its effectiveness." Evaluate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रेल परिवहन को भारतीय परिवहन व्यवस्था की रीढ की हड्डी माना जाता है। यह भारत के कुल यात्री भार व माल भार के अधिकांश हिस्से का परिवहन करता है।

परन्तु रेलवे परिवहन के समक्ष अनेक चुनौतियाँ विद्यमान हैं। रेल परिवहन हेतु आवश्यक आधारभूत संरचना का अभाव है।

पटरियों की मांग, डिब्बों की व्यवस्था, सिग्नलिंग व्यवस्था, ऊर्जा (विद्युत या डीजल) की उपलब्धता इत्यादि क्षेत्रों में उपयुक्त संरचना का अभाव है।

रेल परिवहन को सड़क परिवहन, जल परिवहन इत्यादि से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।

रेलवे में यात्री परिवहन एवं मालभाड़े के परिवहन हेतु अलग-अलग पटरियों का अभाव

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

है जिससे ट्रेनों में देरी होती है तथा समय पर गन्तव्य स्थान पर पहुँचने में समस्या होती है

अनेक बार राजनीतिक दबाव के कारण किराये को कम करना पड़ता है जिससे रेलवे को अपना घाटा कम करने के लिए मालभाड़े का किराया बढ़ाना पड़ता है जिससे इसको समस्या का सामना करना पड़ता है।

पर्याप्त सिग्नल व्यवस्था के अभाव, उन्नत प्रौद्योगिकी के अभाव इत्यादि के कारण खराब मौसम ट्रेनों के लेट होने की समस्या होती है तथा अनेक बार ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त भी हो जाती है।

इसलिए रेल परिवहन की स्थिति को सुधारने हेतु तत्काल प्रयास करने की आवश्यकता है इसके लिए निम्न उपाय किए जा सकते हैं

(i) समर्पित मालभाड़े गलियारों का निर्माण

(ii) आधारभूत संरचना का पर्याप्त विकास

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(iii) रेलवे को राजनीतिक दबाव से मुक्त करना

(iv) उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रयोग

इस प्रकार भारत में रेल परिवहन की दशा व दिशा में तत्काल सुधार की अपेक्षा है। भारत सरकार द्वारा इस संबन्ध में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं जिसमें डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर निर्माण, रेलवे बजट व आम बजट का विलय, नई प्रौद्योगिकी का प्रयोग, रेलवे किराया प्राधिकरण का निर्माण इत्यादि प्रयास सराहनीय है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में बढ़ती जनसंख्या के कारणों को स्पष्ट करें। साथ ही, इनसे उत्पन्न होने वाले सामाजिक-आर्थिक व पर्यावरणीय समस्याओं पर प्रकाश डालिये। 20

Explain the reasons behind population growth in India. Also, highlight the socio-economic and environmental problems arising from it. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत विश्व का द्वितीय सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है जिसकी वर्तमान में जनसंख्या लगभग 130 अरब है तथा यह तीव्र वृद्धि की ओर अग्रसर है

बढ़ती जनसंख्या के पीछे जिम्मेदार कारण -

(क) गरीबी- माल्थस गरीबी को बढ़ती जनसंख्या के पीछे प्रमुख उत्तरदायी कारण मानता है

(ख) शिक्षा का अभाव- परिवार नियोजन कार्यक्रमों की जानकारी के अभाव तथा छोटे परिवार के लाभों के बारे में जानकारी न होने के कारण भी जनसंख्या वृद्धि हो रही है

(ग) पितृसत्तात्मक समाज- समाज में पुत्र को पुत्री से ज्यादा महत्व दिये जाने के कारण लोग पुत्र की प्राप्ति होने तक संतान पैदा करते रहते है

(घ) परिवार नियोजन कार्यक्रमों की पर्याप्त पहुंच का अभाव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(च) जनसंख्या ~~xxx~~ की वृद्धि इसकी आधार जनसंख्या पर निर्भर करती है। यदि बड़ी जनसंख्या में अल्प वृद्धि दर भी होती है तो सकल जनसंख्या में एक बड़ी संख्या में लोग जुड़ जाते हैं

जनसंख्या वृद्धि की सामाजिक- आर्थिक समस्याएं

(क) सभी को पर्याप्त मात्रा में जीवन की मूलभूत सुविधाएं मुहैया नहीं हो पाती हैं

(ख) सभी को रोजगार उपलब्ध कराना संभव नहीं हो पाता अतः बेरोजगारी के कारण गरीबी की मात्रा में वृद्धि होती है

(ग) स्वास्थ्य, शिक्षा इत्यादि ~~के~~ तक पहुँच का अभाव

(घ) खाद्य उत्पादन पर दबाव जिससे भुखमरी जैसी समस्या

(ङ) गरीबी, बेरोजगारी व भुखमरी के कारण आपराधिक प्रवृत्ति में वृद्धि

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पर्यावरणीय समस्याएं

(i) प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ता है जिससे उनका अविवेकपूर्ण दोहन होता है

(ii) प्रदूषण की मात्रा में वृद्धि जैसे बढ़ती जनसंख्या के लिए खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि में उर्वरकों का प्रयोग करने पर भूमि व जल प्रदूषण

(iii) ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन

अतः उपर्युक्त समस्याओं के निराकरण हेतु जनसंख्या नियंत्रण हेतु तत्काल उपाय करने की आवश्यकता है अतः सरकार द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रम, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, जनसंख्या नीति, 2000 का प्रतिपादन, टीकाकरण कार्यक्रम इत्यादि इस संबन्ध में सराहनीय प्रयास है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत के जनजातीय समुदायों की समस्याओं को उजागर करते हुए समस्याओं के समाधान व समुचित विकास हेतु उपयुक्त उपाय सुझाएँ। 15

Highlight the problems faced by tribal communities of India and suggest measures for their development and redressal of their problems. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या का 8.3% जनजातीय समुदाय पाया जाता है जो अनेक नृजातीय, भाषायी एवं धार्मिक समूहों से संबन्ध रखते हैं।

जनजातीय समुदाय मुख्य रूप से निम्नलिखित समस्याओं का सामना करते हैं-

(क) विकास परियोजनाओं के कारण इनके विस्थापन की समस्या।

(ख) वानीय उद्योगों इत्यादि के कारण इनके वन अधिकारों का छिनना।

(ग) साक्षरता का निम्न स्तर (29% - 2011 की जनगणना)

(घ) संगठित क्षेत्रों में रोजगार का अभाव

(च) जनजातीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का अभाव

(छ) इनके वनोत्पादों की बिक्री हेतु पर्याप्त व्यवस्था का अभाव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ज) संस्कृति को अक्षुण्ण रखने की चुनौती

(झ) 'नेक्सल' समस्या

~~समाधान~~
समस्याओं के समाधान के उपाय -

(i) जनजातीय क्षेत्रों में विस्थापन के विस्थापित लोगों के पुनर्वास हेतु उचित नीति निर्माण तथा उनकी आजीविका सुनिश्चित करना

(ii) आधारभूत सुविधाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करना

(iii) वनोत्पादों के संग्रहण का अधिकार देना तथा उनकी बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था करना

(iv) इनकी संस्कृति को संरक्षित रखने का प्रयास करना

भारत सरकार द्वारा इनके विकास हेतु समय-समय पर अनेक प्रयास किए जाते रहे हैं जिसमें राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, ट्राइब्स की स्थापना, जनजातीय वन अधिकार अधिनियम, 2006 का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

क्रियान्वयन, वन धन कार्यक्रम, एकलव्य विद्यालयों की स्थापना की योजना, नक्सलों पर नियंत्रण इत्यादि प्रयास किए जा रहे हैं।

Feedback

Questions .....

Model Answer & Answer Structure .....

Evaluation .....

Staff .....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

मॉड्यूल - VI

(उद्योग, बस्ती, परिवहन, संचार एवं व्यापार और सांस्कृतिक विन्यास)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time Allowed: Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation